ଓଡ଼ିଶା ରାଜ୍ୟ ମୁକ୍ତ ବିଶ୍ୱବିଦ୍ୟାଳୟ, ସମ୍ବଲପୁର, ଓଡ଼ିଶା
Odisha State Open University, Sambalpur, Odisha
Established by an Act of Government of Odisha.

ओडिशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय

संबलपुर, ओड़िशा

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

Ability Enhancement Compulsory Course

Semester – 02

(AECC – 02)

सत्रीय कार्य

Assignment

[प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ ले]

निर्देश

प्रिय विद्यार्थी,

ओड़िशा राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के कला स्नातक (सम्मान) कार्यक्रम में आपका स्वागत है।

उपर्युक्त कार्यक्रम की सत्रांत परीक्षा में सम्मिलित होने से पूर्व अपेक्षित है कि आप हर पाठ्यक्रम (course) हेतु नियत सत्रीय कार्य की प्रश्नावली का समुचित उत्तर लिखकर अपनी उत्तर पुस्तिका अपने अध्ययन केंद्र में नियत तिथि के अंदर जमा कर दें, बिना सत्रीय कार्य पूर्ण किए आप सत्रांत परीक्षा के लिए अयोग्य माने जाएँगे। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए कुल (सत्रांत परीक्षा + सत्रीय कार्य) मिलकर 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करने अनिवार्य है। सत्रीय कार्य में अनुत्तीर्ण होने अथवा समय पर सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा ना करने की स्थिति में आपको अगले सत्र में उस नए सत्र और पिछले सत्र का सत्रीय कार्य भी जमा करना होगा।

सत्रीय कार्य का महत्त्व

1. प्रत्येक सत्रीय कार्य 100 अंको का है और इसमें दिए गए प्रश्न निर्धारित खंडों के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित हैं। इसमें प्राप्त अंकों का 20 प्रतिशत सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों से जुड़कर आपको बड़ी सफलता दिलाने में सहायक साबित होगा।
2. सत्रीय कार्य के अंकों के 20 प्रतिशत और सत्रांत परीक्षा में प्राप्त अंकों के 80 प्रतिशत को मिलाकर इस पाठ्यक्रम में आपकी सामग्रिक उपलब्धि का मूल्यांकन किया जाएगा।

पाठ्यक्रम व सत्रीय कार्य प्रश्नावली की रूप – रेखा

कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध बी.ए (सम्मान) कार्यक्रम के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का अवलोकन करें। कला स्नातक कार्यक्रम के इस पर्याय (semester) में निर्धारित पाठ्यक्रम इस प्रकार है –

बी.ए. (दक्षता हेतु अनिवार्य पाठ्यक्रम) (AECC (MIL) - 2) : 4 क्रेडिट के लिए 1 प्रश्नपत्र

विश्वविद्यालय के नियमानुसार हर 4 क्रेडिट कोर्स के लिए एक प्रश्नपत्र होगा और 6 या 8 क्रेडिट कोर्स के लिए दो प्रश्नपत्र होंगे।

सत्रीय कार्य का उद्देश्य

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जांचना है कि आपने पाठ्यक्रम से सम्बंधित सामग्री को कितना पढ़ा – समझा है और उसका विवेचन – विश्लेषण व मूल्यांकन करने की कितनी क्षमता अर्जित की है।

सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका कैसे तैयार करेंगे

1. उत्तर के लिए फुलस्केप आकार के कागज का ही इस्तेमाल करें।
2. उत्तर स्पष्ट और साफ़ लिखे।
3. निर्देशों को पढ़कर उसी के अनुसार उत्तर दे।
4. पूछे गए प्रश्नों के आधार पर उत्तर दे, पूछे गए प्रश्नों के उत्तर से इतर कुछ ना लिखे।

उत्तर पुस्तिका के आवरण पृष्ठ यानी पृष्ठ संख्या – 1 का नमूना निचे दिया जा रहा है –

अनुक्रमांक .....

नाम .....

पता .....

कार्यक्रम का नाम .....

पाठ्यक्रम शीर्षक .....

सत्रीय कार्य कोड .....

अध्ययन केंद्र का नाम तथा कोड .....

हस्ताक्षर .....

दिनांक .....

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य की उत्तर पुस्तिका जमा करने की अंतिम तिथि का विवरण

क्रम सं	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	खंड सं	क्रेडिट	अंतिम तिथि	वार
1.	ए.ई सी.सी – 2 (MIL)	कविता, गद्य, शब्द ज्ञान और सामान्य ज्ञान	1,2,3,4	04	24 मई 2020	रविवार

कला स्नातक (सम्मान) उपाधि कार्यक्रम (हिंदी)

प्रथम वर्ष, पर्याय (Semester) – 2

सत्रीय कार्य – 1

सत्र – जुलाई 2019

पाठ्यक्रम का नाम : कविता, गद्य, शब्द ज्ञान और सामान्य ज्ञान

पाठ्यक्रम कोड : ए.ई.सी.सी (एम.आई.एल) – 2

खंड - (01,02,03,04 पर आधारित) **पूर्णांक – 100**

[सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। कृपया निर्धारित शब्दों के अन्दर ही उत्तर देने का प्रयास करें]

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए। **(1x10=10)**

(क) भक्ति का उदगम किसे माना गया है ?
(ख) भागवत पुराण के अनुसार भक्ति के दो भेद क्या है ?
(ग) निबंध कितने प्रकार के है ?
(घ) रामभक्ति धरा के दो कवि के नाम लिखिए।
(ङ) निराला जी के दो काव्यों के नाम लिखिए।
(च) अज्ञय का पूरा नाम क्या है ?
(छ) कुटज की पृष्टभूमि क्या है ?
(ज) शब्द किसे कहते है ?
(झ) पद किसे कहते है ?
(ञ) शब्द निर्माण के दो उदहारण लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 100 शब्दों में दीजिए। **(5x4=20)**

(क) भक्त कवि से क्या अर्थ है ?
(ख) भक्तिकाल का वर्गीकरण कीजिए।
(ग) जयशंकर प्रसाद का परिचय दीजिए
(घ) निराला जी का परिचय लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 200 शब्दों में दीजिए। **(10x4=40)**

(क) अज्ञय का परिचय देते हुए उनके साहित्य पर चर्चा कीजिए।
(ख) उत्साह गद्य का सार अपने शब्दों में लिखिए।
(ग) रामचंद्र शुक्ल का विस्तृत साहित्यिक परिचय दीजिए।
(घ) सदाचार का तावीज की पृष्टभूमि बताइए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 300 शब्दों में दीजिए। **(15x2=30)**

(क) भक्तिकाल के रामभक्ति काव्य पर चर्चा कीजिए।
(ख) पर्यावाची और विलोम शब्द को समझाते हुए 10 – 10 उदहारण लिखिए।